POST GRADUATE DEPARTMENT OF SANSKRIT
UNIVERSITY OF JAMMU, JAMMU, JKUT-180006

INVITATION

एकदिवसीया राष्ट्रीय संगोष्ठी (दिनांकः 20–03–2025)

"कश्मीरी आचार्य क्षेमेन्द्र की कृतियों में प्राप्त भारतीय सामाजिक एवम् सांस्कृतिक मूल्य तथा वर्तमान में उनकी प्रासंगिकता"

कश्मीरी आचार्य क्षेमेन्द्र संस्कृत वाङ्मय में अन्वित बहुविध विद्याओं में पारंगत विद्वान् थे। वे कश्मीर के राजा अनन्तराज के सभापण्डित थे। ग्यारहवीं शताब्दी के इस महनीय आचार्य को सम्मान देने एवं उनको श्रद्धांजलि देने के लिए क्षेमेन्द्र महोत्सव (समारोह) का आयोजन स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू 2015 से सतत् रूप में कर रहा है। वैसे तो भारतीय सामाजिक एवम् सांस्कृतिक मूल्यों का अभिवर्धन करने वाले संस्कृत वाङ्मय में अनेक कवि हुए हैं, जिनमें क्षेमेन्द्र अप्रतिम विद्वान माने जाते हैं। भारतीय सामाजिक एवम् सांस्कृतिक मूल्यों से सम्पृक्त क्षेमेन्द्र के योगदान पर आधारित प्रस्तुत संगोष्ठी प्रकल्पित है/आप संस्कृत साहित्य के अप्रतिम विद्वान् हैं, एतदर्थ आप से निवेदन है कि इस ज्ञान यज्ञ में शोधपत्र रूपी समिधा देकर हमे उपकृत करें। इस संगोष्ठी में अधोलिखित बिन्दु शोधकर्ताओं की लेखनी का विषय बन सकते हैं–

1. समयमातृका में उपलब्ध भारतीय सामाजिक एवम् सांस्कृतिक मूल्यों की स्थिति एवं उपयोगिता
2. नर्ममाला में भारतीय सामाजिक एवम् सांस्कृतिक तथ्यों का अनुशीलन
3. देशोपदेश में उपलब्ध भारतीय सामाजिक एवम् सांस्कृतिक मूल्यों का अवलोकन एवं समीचीनता
4. कलाविलास में अभिहित भारतीय सामाजिक एवम् सांस्कृतिक तथ्यों का मूल्यांकन एवं महत्त्व निरूपण
5. सेव्यसेवकोपदेश में प्राप्त भारतीय सामाजिक एवम् सांस्कृतिक तथ्यों की प्रासंगिकता
6. दर्पदलन में उपलब्ध भारतीय सामाजिक एवम् सांस्कृतिक तथ्यों की समीचीनता
7. चारुचर्या में अन्वित भारतीय सामाजिक एवम् सांस्कृतिक तथ्यों की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता
8. चतुर्वर्गसंग्रह में प्राप्त भारतीय सामाजिक एवम् सांस्कृतिक तथ्यों का अनुशीलन
9. भारतमंजरी में उपलब्ध भारतीय सामाजिक एवम् सांस्कृतिक तथ्यों की सार्वजनीनता
10. रामायणमंजरी में उपलब्ध भारतीय सामाजिक एवम् सांस्कृतिक तथ्यों की सार्वजनीनता
11. औचित्यविचारचर्चा में वर्णित भारतीय सामाजिक एवम् सांस्कृतिक तथ्यों का अवगाहन, उपयोगिता एवं समीचीनता

उपर्युक्त तथ्यों के अतिरिक्त कश्मीरी आचार्य क्षेमेन्द्र की किसी भी कृति में प्राप्त भारतीय सामाजिक एवम् सांस्कृतिक मूल्यों को आधार बनाकर शोध पत्र प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

R.B Shukla 31/1/25

प्रो. राम बहादुर (शुक्ल)
अध्यक्ष संस्कृत विभाग,
संयोजक सेमिनार,
जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू
email:- rambshukla@yahoo.co.in
mob. 9419233034

HEAD
Department of Sanskrit
University of Jammu